>

Title : Need to supply adequate quantity of coal for power generation in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से बिहार की पीड़ा, बिहार के संत्रास, जिसके कारण बिहार आज घोर अंधकार में डूबा हुआ है, व्यक्त करना चाहता हूं।...(व्यवधान) वहां की राज्य सरकार ने बन्द पड़े थर्मल पावर स्टेशन को 600 करोड़ रुपया लगाकर के खुलवाने का काम किया, लेकिन पिछले चार महीने से बिहार को कोयले की आपूर्ति नहीं की जा रही है। कोयले की आपूर्ति नहीं करने से बिहार अंधकार में डूबा हुआ है। इसके चलते बिहार में जो सुखाड़ पड़ा हुआ है, उसमें राज्य सरकार चाहती है कि देहातों में खेतों की सिंचाई करने के लिए, धान रोपने के लिए वह बिजली दे, लेकिन नहीं दे पा रही है। हम आपके माध्यम से वर्तमान सरकार से जानना चाहते हैं कि आखिर बिहार सरकार के साथ उसका ऐसा व्यवहार क्यों है? वह क्यों नहीं कोयला दे रही है, क्यों नहीं कोयले का आबंटन कर रही है? बिहार ने क्या बिगाड़ा है? बिहार ने तो यही किया है कि उसने संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार अपने मत का प्रदर्शन किया है, अपनी निष्ठा प्रदर्शित की है और इस तरह से बिहार के साथ हम आपके माध्यम से वर्तमान सरकार से आग्रह करना चाहते हैं, मांग करना चाहते हैं कि बिहार को कोयले की आपूर्ति की जाये।

बिहार अंधकार में डूबा है, बिहार सुखाड़ से ग्रसित है, बिहार त्राहि-त्राहि कर रहा है। हम आशा करते हैं कि सरकार बिहार को कोयले की आपूर्ति करेगी और अपने सैण्ट्रल पूल से केन्द्र सरकार बिहार को बिजली की आपूर्ति करेगी।

बिहार को 500 मैगावाट बिजली जो दी जा रही थी, उसकी कटौती कर दी गई है। हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि बिहार मात्र एक राज्य नहीं है, बिहार स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का तीर्थस्थल है, बिहार शहादत की आत्मा है, बिहार सर्वधर्म-समभाव में विश्वास करता है, बिहार ने स्वतंत्रता संग्राम के क्षेत्र में जो कुरबानी की है, आज बिहार के साथ इस तरह का व्यवहार दुखद है, अशोभनीय है, चिन्तनीय है।

हम आशा करते हैं कि केन्द्र सरकार बिहार के के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपना करके कदम उठाएगी।